मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 28 अगस्त 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	28-08-14	29-08-14	30-08-14	31-08-14	01-09-14
वर्षा (मि.मी.)	1	2	1	0	3
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	35	34	35	34	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	28	27	27	26	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	5	5	6	5
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	61	51	55	66	78
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	40	36	32	36	43
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	9	6	7	8
हवा की दिशा	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण	दक्षिण

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

बाजरा की खड़ी फसल में थायो यूरिया का 0.05 प्रतिशत का पानी में धोल बनाकर छिड़काव करें।

बाजरा में कातरा कीट का प्रकोप होने पर मिथाइल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या क्यूनॉलफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण का 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

बाजरा की फसल को अरगट रोग से बचाने के लिए सिट्टे निकलते समय ढाई किलो जाईनेब 80 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. या डेढ से 2 किलो मेंकोजेब 75 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. का 3–3 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।

तिल की फसल में छाछया रोग के नियंत्रण हेतु 20 किलो गंधक का चूर्ण प्रति हैक्टर भुरकाव करें अथवा 200 ग्राम कार्बेण्डेजिम 50 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. या डायनोकेप 48 प्रतिशत ई.सी. 200 मि.ली. का प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।

खुरपका–मुहपका रोग से ग्रस्त पशुओं के मुंह, खुर एंव थन आदि स्थानों पर उपस्थित छालो को पोटेशीयम परमेग्नेट (लाल दवा) के 0.1 प्रतिशत के घोल से साफ करें